2020–2021

बी.ए. द्वितीय वर्ष (सत्र 2018–19)

3. संस्कृत

सामान्य निर्देश–

1. विषय के दो प्रश्नपत्र होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्नपत्र में दो भाग होंगे, जिसमें भाग 'अ' लघुत्तरात्मक प्रश्नों का होगा। भाग ब' में व्याख्यात्मक, अनुवाद, निबन्धात्मक व समालोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।
3. भाग 'अ' में कुल 15 प्रश्न होंगे और प्रत्येक के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।
4. यदि परीक्षक ने किसी प्रश्न विशेष के लिए भाषा का निर्देश कर दिया है तो उस प्रश्न का उत्तर उसी भाषा में देना अनिवार्य होगा।
5. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के उत्तर के लिए निर्धारित हैं।

प्रथम प्रश्न पत्र

नाटक, छन्द, अलंकार एवं इतिहास

पूर्णांक–100 न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

पाठ्यक्रम –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – कालिदास (1 – 4 अंक) – 45 अंक 1–4
2. छन्द – 15 अंक
3. अलंकार (काव्यदीपिका – अष्टमशिखा) – 15 अंक (उदाहरण अभिज्ञानशाकुन्तलम् से)
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास – 25 अंक

अंक विभाजन

क्र. स.	पुस्तक का नाम	लघुत्तरात्मक प्रष्न	अंक	निबन्धात्मक प्रष्न	अंक	अंक योग
1.	अभिज्ञानशान्कुन्तम्	05	10	03	35	10+35= 45
2.	छन्द (अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर)	02	04	01	11	4+11= 15
3.	अलंकार (अभिज्ञान शाकुन्तलम् के आधार पर)	02	04	01	11	4+11= 15
4.	संस्कृत साहित्य का इतिहास	06	12	02	13	12+13=25
	कुल योग	**15**	**30**	**07**	**70**	**100**

प्रश्न पत्र निर्माण के लिए निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग 'अ' 30 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक से लघूत्तरात्मक, निबन्धात्मक व व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Scanned with CamScanner

अंक विभाजन

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (प्रथम से द्वितीय अंक) – दो श्लोकों में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या– 10 अंक
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (तृतीय से चतुर्थ अंक) – दो श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या– 09 अंक
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् (पंचम से सप्तम अंक)– दो श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या– 09 अंक
4. अभिज्ञानशाकुन्लतम् के आधार पर दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न – 07 अंक
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त छन्दों में से चार छन्द देकर दो के लक्षण एंव उदाहरण – 11 अंक
6. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा) में से अधोलिखित अलंकारों में से कोई 4 देकर दो के लक्षण एवं उदाहरण – 11अंक

(अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोकित, अप्रस्तुतप्रशंसा, विभावना, विशेषोक्ति, व्यतिरेक, समासोक्ति, दृष्टान्त, दीपक, तुल्योगिता, सन्देह और भ्रांतिमान्)

7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – 25 अंक
   (क) वीर काव्य– रामायण तथा महाभारत
   (ख) गद्यकाव्य– दण्डी, सुबन्धु, बाणभट्ट, अम्बिकादत्त व्यास
   (ग) नाट्य साहित्य – भास, शूद्रक, कालिदास, विशाखादत्त, भवभूति, राजशेखर।

   उपर्युक्त में से दो प्रश्नों में से कोई एक निबन्धात्मक प्रश्न – 09 अंक

   उपर्युक्त बिन्दुओं में से दो टिप्पणी देकर कोई एक टिप्पणी अपेक्षित – 04 अंक

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. शिवबालक द्विवेदी, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – प्रो. प्रभाकर शास्त्री एवं डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ. वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
4. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ. बाबूराम त्रिपाठी रतन प्रकाशन मन्दिर, आगरा।
5. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ. निरूपण विद्यालंकार, साहित्य भण्डार, मेरठ
6. अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ. रामप्रकाश गुप्त, युवराज संस्कृत पब्लिकेशन, आगरा
7. अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 विश्वनाथ शर्मा, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
8. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा)– डॉ0 रामनारायण झा, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
9. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा)– डॉ0 रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
10. काव्यदीपिका (अष्टमशिखा)– डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
11. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
12. सरल रचनानुवादकौमुदी – डॉ0 कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
13. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. अनुवादचन्द्रिका – चक्रधर नौटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
15. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शर्मा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर
16. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
17. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. पुष्करदत्त शर्मा, अजमेरा बुक प्रकाशन, जयपुर
18. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. रामदेव साहू, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
19. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. श्रीकान्त पाण्डेय, साहित्य भण्डार, मेरठ
20. संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
21. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
22. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. कैलाशनाथ द्विवेदी, हंसा प्रकाशन जयपुर
23. संस्कृत साहित्य का प्राचीन एवं अर्वाचीन इतिहास – डॉ. रामसिंह चौहान, रितु प्रकाशन, जयपुर
24. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
25. संस्कृत साहित्य का सरल इतिहास – डॉ0 पाठक एवं डॉ0 सीरौटिया, युवराज पब्लिकेशन, आगरा
26. राजस्थान के प्रमुख संस्कृत मनीषी – डॉ. मधुबाला शर्मा, हंसा प्रकाशन जयपुर

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

HelpStudent.com

Scanned with CamScanner

बी. ए. द्वितीय वर्ष
संस्कृत
द्वितीय प्रश्न पत्र
वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य, व्याकरण एवं अनुवाद

पूर्णांक–100 न्यूनतम उत्तीर्णांक–36

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त) –20 अंक–(वरूण संज्ञान)
2. ईशावास्योपनिषद् (यजुर्वेद का 40 वां अध्याय) –10 अंक
3. गद्य सहित्य (शुकनासोपदेश) गुरूपदेशपर्यन्त –25 अंक
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण) –25 अंक
5. अनुवाद एवं कारक प्रकरण –20 अंक

प्रश्न पत्र निर्माण के लिए निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग 'अ' 30 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक को लघूत्तरात्मक, निबन्धात्मक व व्याख्यात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। लघूत्तरात्मक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं।

अंक विभाजन

क्र. सं.	पुस्तक का नाम	लघूत्तरात्मक प्रश्न	अंक	निबन्धात्मक प्रश्न	अंक	अंक योग
1.	ऋग्वैदिक सूक्त	03	06	02	14	6+14–20
2.	ईशावास्योपनिषद्	02	04	01	06	4+6–10
3.	शुक्नासोपदेश	03	06	02	19	6+19–25
4.	लघुसिद्धान्तकौमुदी – अजन्त प्रकरण	02 02	04 04	02 02	08 09	4+8–12 4+9–13
5.	अनुवाद एवं कारक	03	06	02	14	6+14–20
	कुल योग	15	30	11	70	100

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वेद के निम्नलिखित सूक्त)
   (क) वरूण (1.25) (ख) क्षेत्रपति (4.57) (ग) संज्ञान (10.191)
   (1) उपर्युक्त सूक्तों के चार मंत्रों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या – 10 अंक
   (2) उपर्युक्त सूक्तों में से दो में से किसी एक सूक्त का संस्कृत मं सार– 04 अंक
2. ईशावास्योपनिषद् के दो मंत्रों में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या – 06 अंक
3. (क) शुकनासोपदेश में से चार गद्यांश देकर दो की सप्रसंग व्याख्या – 14 अंक
   (ख) शुकनासोपदेश पर आधारित दो प्रश्न देकर प्रश्न हल करना अपेक्षित है – 45 अंक
4. सिद्धान्तकौमुदी के निम्नलिखित कारक सूत्रों का ज्ञान–

(I) (प्रतिपादिकार्थलिङ्.गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा (II) कर्तुरीप्सितमं कर्म (III) कर्मणि द्वितीया (IV) अधिशीङ्.स्थासां कर्म (V)अकथितं च (VI) उपान्वध्याङ्. वसः (VII) अभितःपरितःसमयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि द्वितीया (VIII) अन्तरान्तरेण युक्ते (IX) कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे (X) साधकतमं करणम् (XI) कर्तृकरणयोस्तृतीया (XII) अपवर्गे तृतीया (XIII) सहयुक्तेऽप्रधाने (XIV) येनांगविकारः (XV) इत्थंभूतलक्षणे (XVI) कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् (XVII) चतुर्थी सम्प्रदाने (XVIII) रूच्यर्थानां प्रीयमाणः (XIX) धारेरुत्तमर्णः (XX) क्रुधद्रुहेर्ष्याऽसूयार्थानां यं प्रति कोपः (XXI) नमः

Only For Session 2020-21

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Scanned with CamScanner

स्वरितस्वाहास्वधालंवषड्योगाच्च (XXII) ध्रुवमपायेऽपादानम् (XXIII) अपादाने पंचमी (XXIV) जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम् (XXV) भीत्रार्थानां भयहेतुः (XXVI) वारणार्थानामीप्सितः (XXVII) आख्यातोपयोगे (XXVIII) भुवः प्रभवश्च (XXIX) षष्ठी शेषे (XXX) षष्ठी हेतु प्रयोगे (XXXI) कर्तृकर्मणोः कृति (XXXII) आधारोऽधिकरणम् (XXXIII) सप्तम्यधिकरणे च (XXXIV) यस्य च भावेन भावलक्षणम् (XXXV) यतश्च निर्धारणम्।

उपर्युक्त चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या – 06 अंक

5. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण)

(क) अजन्त प्रकरण – निम्नलिखित शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त होने वाले सूत्रों का अर्थज्ञान, राम, हरि, गुरू, रमा, नदी, ज्ञान, वारि, सर्व–04 की रूपसिद्धि में से दो ही रूपसिद्धि –10अंक

उपर्युक्त शब्दों की सिद्धि में प्रयुक्त दो में से एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या –06 अंक

6. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद– छः हिन्दी वाक्यों में से तीन का संस्कृत में अनुवाद –09 अंक

सहायक एवं सन्दर्भ पुस्तकें–

1. वेदचयनम् – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. ऋक्सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. ऋक्सूक्तसमुच्चय – डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
4. वैदिकसूक्तमुक्तावली – डॉ. सुधीर कुमार गुप्त, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. वैदिकसूक्तमुक्तावली– डॉ. लम्बोदर मिश्र, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिक सूक्तावली – डॉ. जे. सी. नारायणन, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
7. वेदसूक्तचयनम् – डॉ0 कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशनन्स, आगरा
8. ऋक्सूक्तसंग्रह – डॉ0 देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर।
9. ईशावास्योनिषद् – डॉ. सुभाष वेदालंकार, अलंकार प्रकाशन, जयपुर
10. ईशावास्योनिषद् – पं. तारिणीश झा, रामनारायण लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद,
11. ईशावास्योनिषद् – डॉ. हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन, जयपुर
12. ईशावास्योनिषद् – डॉ. श्रीकृष्ण त्रिपाठी, चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी
13. ईशावास्योनिषद् – डॉ. जे. सी. नारायणन्, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
14. ईशावास्योनिषद् – डॉ. रामप्रकाश गुप्त, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
15. ईशावास्योनिषद् – माणिक्यलाल शास्त्री, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
16. शुकनासोपदेश – डॉ. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद
17. शुकनासोपदेश – माणिक्यलाल शास्त्री, एवं डॉ. सन्तोष कुमार शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
18. शुकनासोपदेश – डॉ. चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
19. शुकनासोपदेश – डॉ0 कुमरपाल सिंह, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
20. लघुसिद्धान्तकौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन दिल्ली
21. लघुसिद्धान्तकौमुदी – (अजन्त एवं हलन्त प्रकारण) – डॉ. जगदीश शर्मा, हंसा प्रकाशन जयपुर
22. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त एवं हलन्त प्रकरण) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद संस्कृतहिन्दी पुस्तक भण्डार जयपुर
23. लघुसिद्धान्तकौमुदी(अजन्त एवं हलन्त प्रकरण)– डॉ. सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन दिल्ली
24. लघुसिद्धान्तकौमुदी(अजन्त एवं हलन्त प्रकरण)–डॉ. जे. सी. नारायणन्, नितिन पब्लिकेशन, अलवर
25. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण) – डॉ0 मधुरलता द्विवेदी, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
26. लघुसिद्धान्तकौमुदी– (हलन्त प्रकरण) – डॉ0 श्रद्धा सिंह, आयुर्वेद संस्कृत हिन्दी पुस्तक भण्डार, जयपुर
27. कारक प्रकरण (सि0कौ0) – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
28. कारक प्रकरण (सि0कौ0) – हरस्वरूप वशिष्ठ, हंसा प्रकाशन जयपुर
29. कारक प्रकरण (सि0कौ0) – डॉ0 अशोक कुमार यादव, युवराज पब्लिकेशन्स, आगरा
30. कारक दीपिका – पं. मोहनवल्लभ पंत, रामनारायण बेनीमाधव, इलाहाबाद
31. रचनानुवादकौमुदी –डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
32. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूलाल मीना, हंसा प्रकाशन, जयपुर
33. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका– डॉ. जे.सी. नारायणन, अरिहन्त प्रकाशन, जयपुर

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

Only For Session
2020-21

Scanned with CamScanner